# संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

**2024–2025**

| भाग अ परिचय – | | | | |
|---|---|---|---|---|
| कार्यक्रम प्रमाण पत्र | | कक्षा बी ए | प्रथम सेमेस्टर | सत्र 2024– 2025 |
| विषयः हिंदी साहित्य | | | | |
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | A1-HLIT1T | | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | हिन्दी काव्य | | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार | इलेक्टिव | | |
| 4 | पूर्वापेक्षा | इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए विद्यार्थी में किसी भी विषय से कक्षा बारहवीं प्रमाण पत्र डिप्लोमा किया हो पात्र हैं। | | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की उपलब्धियां कोर्स लर्निंग आउटकम | 1.इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी काव्य की सुदीर्घ परंपरा से परिचित होंगे।<br>2.प्रसिद्ध रचनाओं के अध्ययन से देश की सामाजिक सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय पृष्ठभूमि से सुविज्ञ होंगे।<br>विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास होगा, उनकी जीवन दृष्टि का विस्तार होगा जिससे वह जीवन एवं जीवन मूल्यों को समझने में सक्षम होंगे।<br>4.रचनात्मक कौशल में दक्षता होगी जिससे उन्हें रोजगार की अनेक संभावनाएं मिलेगी। | | |
| 6 | क्रेडिट मान | **04** | | |
| 7 | **कुल अंक** | **100**<br>**सैद्धांतिक मूल्यांकन – 60**<br>**आंतरिक मूल्यांकन – 40** | | |
| भाग ब पाठ्यक्रम की विषयवस्तु | | | | |
| व्याख्यान की कुल संख्या – **60** | | | | |
| **इकाई** | **विषय** | | | **व्याख्यान की संख्या** |
| इकाई 1 | 1 भक्ति काल एवं प्रमुख कवि<br>1.1 भक्ति आंदोलन सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि<br>1.2 काव्य धाराएं एवं प्रवृत्तियां<br>1.3 प्रमुख निर्गुण एवं सगुन कवि, भक्ति काल की प्रवृतियां<br>2 प्रमुख कवि - निर्गुण मार्गी<br>2.1 कबीर दास व्याख्या एवं समीक्षा<br>साखी - गुरुदेव को अंग – 1,5,7,11,13 | | | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| | विरह को अंग – 4,10,12,20,23<br>पद –<br>• दुल्हनी गावहु मंगलचार<br>• पंडित बाद बदंते झूठा<br>• लोका मति के भोरा रे<br>• बोलौ भाई राम की दुहाई<br>2.1 मलिक मोहम्मद जायसी व्याख्या एवं समीक्षा<br>मानसरोदक खंड - पद संख्या 1 से 3<br>3 प्रमुख कवि सगुणमार्गी<br>3.1 सूरदास व्याख्या एवं समीक्षा<br>पद संख्या – 21,23,25,85<br>3.2 गोस्वामी तुलसीदास व्याख्या एवं समीक्षा - अयोध्याकांड<br>मागी नाव न केवट आना। कहइ तुम्हार मरमु मैं जाना॥ से<br>बिदा कीन्ह करूनायतन भगति बिमल बरू देइ। (102 दोहा तक) | |
| इकाई 2 | 1 रीतिकाल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि<br>1.1 रीतिकाल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि<br>1.2 रीतिकालीन साहित्य के प्रमुख भेद - रीति सिद्ध, रीतिबद्ध, रीतिमुक्त<br>1.3 रीतिकाल की प्रवृतियां<br>2 प्रमुख कवि<br>2.1 बिहारी व्याख्या एवं समीक्षा<br>दोहा क्रमांक 1, 16, 18,20,21, 25, 27, 28, 37,46<br>2.2 भूषण (व्याख्या एवं समीक्षा)<br>शिवा बावनी पद संख्या 4,25, 26<br>छत्रसाल दशक पद संख्या – 1,7 | 15 |
| इकाई 3 | 1 आधुनिक काल की पृष्ठभूमि एवं प्रमुख कवि<br>1.1 आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, पुनर्जागरण काल, हिंदी नवजागरण काल एवं प्रवृत्तियां<br>1.2 भारतेंदु युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियां<br>1.3 द्विवेदी युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियां<br>1.4 छायावाद युगीन साहित्य एवं प्रवृत्तियां<br>2 प्रमुख कवि<br>2.1 भारतेंदु हरिश्चंद्र (व्याख्या एवं समीक्षा)<br>हिंदी भाषा - निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल (10 दोहे)<br>2.2 अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध (व्याख्या एवं समीक्षा) | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| | काव्य - एक बूंद मीठी बोली<br>2.3 जयशंकर प्रसाद (व्याख्या एवं समीक्षा)<br>कामायनी के श्रद्धा सर्ग से - प्रकृति के यौवन का श्रृंगार करेंगे कभी ना बासी फूल से खिंची आवेगी सकल समृद्धि तक का अंश<br>2.4 सूर्यकांत त्रिपाठी निराला (व्याख्या एवं समीक्षा)<br>जागो फिर एक बार : भाग 2, वह तोड़ती पत्थर<br>2.5 महादेवी वर्मा (व्याख्या एवं समीक्षा)<br>मैं नीर भरी दुख की बदली<br>बीन भी हूं मैं तुम्हारी, रागिनी भी हूं | |
| इकाई 4 | 1 छायावादोत्तर काव्य धाराएं एवं प्रमुख कवि<br>1.1 उत्तर छायावाद की विविध वैचारिक प्रवृत्तियां<br>1.2 प्रगतिवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियां<br>1.3 प्रयोगवाद साहित्य एवं प्रवृत्तियां<br>1.4 नई कविता, समकालीन कविता प्रमुख प्रवृत्तियां<br>2 प्रमुख कवि<br>2.1 अज्ञेय (व्याख्या एवं समीक्षा)<br>नदी के द्वीप, यह दीप अकेला<br>2.2 गजानन माधव मुक्तिबोध (व्याख्या एवं समीक्षा)<br>मैं तुम लोगों से दूर हूं, भूल गलती<br>2.3 नागार्जुन (व्याख्या एवं समीक्षा)<br>अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है<br>2.3 धूमिल (व्याख्या एवं समीक्षा)<br>रोटी और संसद, बीस साल बाद<br>**2.4 इंद्र बहादुर खरे(व्याख्या एवं समीक्षा)**<br>**मृत्यु पथ का राही (सुरबाला)**<br>3 अभ्यास<br>3.1 काव्य पाठ (सस्वर)<br>3.2 सुलेखन<br>3.3 शुद्धवाचन | 15 |

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रंथ/ अन्य पाठ संसाधन/ पाठ सामग्री:**

**पाठ पुस्तकें –**

- सं. बड़थ्वाल, पीतांबरदत्त, गोरखबानी, प्रकाशन हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
- दीक्षित, आनंद प्रकाश, विद्यापति पदावली, साहित्य मंदिर प्रकाशन, ग्वालियर
- सं. दास, श्यामसुंदर, कबीर ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

- शुक्ल, आचार्य रामचंद्र, जायसी ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- शुक्ल, आचार्य रामचंद्र, भ्रमरगीत सार, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- गोस्वामी, तुलसीदास, श्री रामचरितमानस, गीता प्रेस, गोरखपुर
- रत्नाकर, जगन्नाथदास, बिहारी रत्नाकर, रत्नाकर पब्लिकेशन, वाराणसी
- मिश्र, विश्वनाथ प्रसाद, भूषण ग्रंथावली, साहित्य सेवक कार्यालय, काशी
- शर्मा, हेमंत, भारतेंदु समग्र, हिंदी प्रचारक संस्था, वाराणसी
- शाही, सदानंद, अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध रत्नावली, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- प्रसाद, जयशंकर, कामायनी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- शर्मा, रामविलास, राग विराग, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- वर्मा, महादेवी, परिक्रमा, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
- पालीवाल, कृष्ण, अज्ञेय रचनावली, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली
- मुक्तिबोध, गजानन माधव, चांद का मुंह टेढ़ा है, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- सिंह, नामवर, प्रतिनिधि कविताएं नागार्जुन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- सं. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, संक्षिप्त पृथ्वीराज रासो, काशी विश्वविद्यालय, बनारस प्रथम संस्करण 1952 ई.


- **संदर्भ ग्रंथ**


- डॉ नगेंद्र, (संपादक), हिंदी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 1976
- शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2019
- तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 1992
- चतुर्वेदी, रामस्वरूप, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2019
- सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2011
- द्विवेदी, हजारीप्रसाद, हिंदी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना, 1961 तृतीय संस्करण
- भटनागर, रामरतन, प्राचीन हिंदी काव्य, इंडियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग 1952
- **ओझा, रामेंद्र प्रसाद, इंद्र बहादुर खरे की रचनाओं में मूल्यबोध, संदर्भ प्रकाशन, भोपाल, संस्करण 2021**